13 क्रिया तथा क्रिया के भेद

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- क्रिया शब्दों को पहचानना।
- क्रिया के भेद जानना।
- क्रिया शब्दों के प्रयोग को समझाना।

सहायक सामग्री

- पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, QR Code, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- आप विद्यालय में क्या-क्या करते हैं?
- माता जी रसोईघर में क्या करती हैं?
- विद्यार्थी अभ्यास-पुस्तिका में क्या करते हैं?
- बच्चे पार्क में क्या करते हैं?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा बनाना।
- QR Code स्कैन करके वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - काम करने का बोध करवाने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
  - क्रिया के भेद दो आधारों पर किए जाते हैं– कर्म की अपेक्षा/अनपेक्षा के आधार पर तथा रचना के आधार पर।
  - कर्म की अपेक्षा/अनपेक्षा के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं–अकर्मक तथा सकर्मक।
  - जो क्रिया कर्म के साथ हो–सकर्मक क्रिया तथा जो क्रिया कर्म के बिना हो–अकर्मक क्रिया कहलाती है।
  - रचना के आधार पर क्रिया के प्रमुख भेद हैं– सरल, संयुक्त, प्रेरणार्थक तथा नामिक।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।
- अपने अच्छे कामों की सूची बनाने और क्रिया शब्द रेखांकित करने के निर्देश।

13.1 काल तथा पक्ष

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- काल को समझना।
- पक्ष के विषय में समझाना।
- काल के भेदों को समझना।

सहायक सामग्री

- पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, QR Code, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- कल रात को आप कितने बजे सोए थे?
- रविवार कितने दिन/दिनों के बाद आएगा?
- अभी हम किस विषय के बारे में पढ़ रहे हैं?
- 'पक्ष' शब्द से आप क्या समझते हैं?

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा बनाना।
- QR Code स्कैन करके वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - क्रिया के समय का बोध 'काल' कहलाता है।
  - काल के तीन भेद हैं–(क) भूत काल (ख) वर्तमान काल तथा (ग) भविष्यत काल।
  - है–वर्तमान काल, था/थी/थे–भूत काल व गा/गी/गे–भविष्यत काल की क्रियाएँ हैं।
  - क्रिया अपना रूप बदलती है–देखा, देखते हैं, देखते थे, देखेंगे।
  - सहायक क्रिया के वे अंश (प्रत्यय) जो यह सूचना देते हैं कि क्रिया कैसे घटित हुई है, पक्ष सूचक अंश कहलाते है।
  - मुख्य पक्ष तीन हैं– आवृत्तिमूलक, सातत्यबोधक, पूर्णपक्ष।
  - पक्षसूचक प्रत्यय वर्तमान और भूत दोनों कालों में लग सकते हैं।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।
- तीनों कालों के वाक्यों पर आधारित काल्पनिक बातचीत लिखने के निर्देश।

13.2 वाच्य

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- वाच्य के विषय में बताना।
- वाच्य के भेदों का ज्ञान कराना।
- वाच्य-परिवर्तन सिखाना।

सहायक सामग्री

- पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, QR Code, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- कर्ता किसे कहते हैं?
- मज़दूर पेड़ काट रहा है। मज़दूरों के द्वारा पेड़ काटा जा रहा है।
- अब इन वाक्यों को आप कैसे बोलेंगे– बच्चा दौड़ रहा है। नेता जी भाषण दे रहे हैं। पिता जी नाश्ता कर रहे हैं।
- इस प्रकार के अन्य वाक्य भी पूछे जा सकते हैं।

प्रमुख बिंदु

- विभिन्न प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - वाच्य का अर्थ वाणी या कथन होता है।
  - वाच्य के दो भेद होते हैं– कर्तृवाच्य तथा अकर्तृवाच्य।
  - अकर्तृवाच्य के दो उपभेद हैं– कर्मवाच्य तथा भाववाच्य।
  - अकर्तृवाच्य के वाक्य में सकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है तो वह 'कर्मवाच्य' का वाक्य होगा और यदि अकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है तो वह 'भाववाच्य' का।
  - क्रिया के बदलने का वाच्य से कोई संबंध नहीं है, बल्कि प्रयोग से है।
  - हिंदी के वाक्यों में तीन प्रयोग हो सकते हैं– कर्तरि, कर्मणि तथा भावे।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।